चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (2024-28)

अर्थशास्त्र विभाग

कोर्स करिकुलम

खंड – अ : परिचय			
पाठ्यक्रम : बैचलर इन आर्ट्स (सर्टिफ़िकेट / डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स / आनर्स सह रिसर्च		**सेमेस्टर – III**	**सत्र – 2024-2025**
1	**कोर्स कूट**	ECSC - 03	
2	**कोर्स शीर्षक**	**सूक्ष्म अर्थशास्त्र**	
3	**कोर्स प्रकार**	DSC	
4	**पूर्व अपेक्षित (यदि हो)**	आवश्यकता अनुरूप	
5	**कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)**	• विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के बाद सूक्ष्म अर्थशास्त्र के विवेकपूर्ण व्यवहार को समझ सकेंगे| • छात्र उत्पादन प्रक्रिया के बारे में जान सकेंगे| इसके साथ ही वे, बाजार और उसके विभिन्न अंगो की व्याख्या करने में भी समर्थ हो सकेंगे| • विद्यार्थियों को कल्याण का भी ज्ञान हो सकेगा जो कि समता और न्याय की धुरी है| • सूक्ष्म अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थियों को क्रय और विक्रय तथा उत्पाद कीमतों की मूलभूत जानकारी हो जाती है|	
6	**क्रेडिट महत्व**	4 क्रेडिट	क्रेडिट = 15 घंटे का अध्ययन / प्रशिक्षण/ प्रवेक्षण
7	**कुल अंक**	पूर्णांक - 100	उत्तीर्णांक - 40
खंड – ब : कोर्स की विषयवस्तु			

कुल अध्यापन कालखंड (01घंटा प्रति काल खंड) – 60 कालखंड (60 घंटे)		
इकाई	**प्रसंग (विषय वस्तु)**	**कालखंड की संख्या**
I - अर्थशास्त्र का परिचय	1. अर्थशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. उपयोगिता विश्लेषण – गणनात्मक एवं क्रमवाचक दृष्टिकोण 3. तटस्थता वक्र विश्लेषण 4. उपभोक्ता का संतुलन, उपभोक्ता की बचत, 5. माँग का नियम, माँग की लोच 6. माँग और पूर्ति में सम्बन्ध	**15**
II- उत्पादन	1. उत्पादन का सिद्धांत 2. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम 3. उत्पादन फलन 4. पैमाने की बचत 5. समोत्पाद वक्र 6. पैमाने के प्रतिफल 7. आगम एवं लागत की अवधारणाएँ 8. फ़र्म का संतुलन	**15**
III- बाज़ार एवं क़ीमत निर्धारण	1. विभिन्न बाज़ारों का अर्थ 2. पूर्ण प्रतियोगिता एवं क़ीमत निर्धारण 3. एकाधिकार एवं क़ीमत-उत्पादन निर्धारण 4. एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा एवं क़ीमत-उत्पादन निर्धारण	**15**
IV- मूल्य निर्धारण के सिद्धांत	1. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत 2. मज़दूरी के सिद्धांत 3. लगान के सिद्धांत 4. ब्याज के सिद्धांत 5. लाभ के सिद्धांत	**15**
हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केंद्रीय अध्ययन मंडल)-		

PDF Scanner ACE Scanner